सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 95 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 10 मई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

आप मित्र बदल सकते हैं पर पड़ोसी नहीं।
-अटल बिहारी वाजपेयी

इमरान की गिरफ्तारी से दहला... 8 | केरल स्टोरी को लेकर भाजपा व... 3 | सब कुछ ठीक तो फिर चुनाव में... 7

कर्नाटक में जमकर हुआ मतदान

ईवीएम में बंद हुई उम्मीदवारों की किस्मत

» बड़ी संख्या में बुजुर्गों ने डाले वोट
» भाजपा-कांग्रेस व जेडीएस ने किया जीत का दावा
» बेल्लारी में भिड़ गए कांग्रेस- बीजेपी कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक चुनाव के लिए वोट डालने लोग सुबह से बहुत उत्साह के साथ पोलिंग बूथ पहुंचने लगे थे। बड़ी संख्या में बुजुर्गों ने वोट डाले। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण चल रहा है। मैसूरु में दूल्हा-दुल्हन वोट डालने पहुंचे। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में वोटिंग सुबह 7 बजे से जारी है। यहां 224 सीटों से 2614 उम्मीदवार मैदान में उतरे हैं। कर्नाटक के सभी जिलों में पोलिंग स्टेशन पर सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग अपना वोट डालने पहुंच रहे हैं। दोपहर 1 बजे तक 37.25 प्रतिशत वोट पड़ चुके हैं।

कर्नाटक के बेल्लारी ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इसमें एक कांग्रेस नेता घायल हो गए हैं। बता दें कि स्थानीय नेता पहले भाजपा के साथ थे, लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए थे।

सेलिब्रिटीज ने भी डाला वोट

आम लोगों के अलावा सेलिब्रिटीज और नेता भी वोट डालने पहुंच रहे हैं। अभिनेता प्रकाश राज ने शांतिनगर स्थित सेंट जोसेफ इंडियन स्कूल में पोलिंग स्टेशन में मतदान किया। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने वोट डालने से पहले शिकारीपुर के हुच्चाराया स्वामी मंदिर और राघवेंद्र स्वामी मठ में दर्शन किए। वर्तमान मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने हुबली के हनुमान मंदिर और कावेरी के गायत्री मंदिर में पूजा की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बेंगलुरु के विजयनगर में पोलिंग बूथ में वोट डाला।

प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतेगी कांग्रेस : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतेगी, हमें 130-135 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी पत्नी के साथ मतदान किया।

अपने दम पर सरकार बनाएंगे : सिद्धारमैया

पूर्व मुख्यमंत्री और वरुणा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार सिद्धारमैया ने मतदान किया। उन्होंने वोटिंग के बाद कहा कि मतदाताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। मुझे 60 फीसद से ज्यादा वोट मिलेंगे। कांग्रेस अपने दम पर सरकार बनाएगी। मैं रिटायर नहीं होने जा रहा हूं, लेकिन मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा।

किंग बनेगी जेडीएस : कुमारस्वामी

कर्नाटक के पूर्व सीएम और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने वोट डालने के बाद दावा किया कि हमारी पार्टी किंग बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि हम लोगों से अनुरोध कर रहे हैं कि उचित विकास पाने के लिए जेडीएस उम्मीदवारों को आशीर्वाद दें। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा ने कितनी राशि का निवेश किया है? ये सब बातें सभी जानते हैं। सिर्फ भाजपा को ही नहीं, मैं हर पार्टी को दोष दूंगा, हर बार हम निष्पक्ष चुनाव के बारे में चर्चा करते हैं, लेकिन केवल कागजों में।

भाजपा के साथ हैं राष्ट्रवादी मुसलमान : ईश्वरप्पा

भाजपा के वरिष्ठ नेता केएस ईश्वरप्पा ने कहा कि राज्य भर के लोग कर्नाटक में भाजपा को समर्थन देने के लिए तैयार हैं। हम करीब 140 सीटें जीतेंगे और पूर्ण बहुमत हासिल करेंगे। कांग्रेस और जद (एस) ने मुस्लिम तुष्टिकरण का प्रयास किया है, लेकिन राष्ट्रवादी मुसलमान हमारे साथ हैं। जो पीएफआई जैसे राष्ट्र विरोधी संगठनों का समर्थन करते हैं, वे कांग्रेस के साथ हैं। बीजेपी के वरिष्ठ नेता केएस ईश्वरप्पा ने पार्टी की जीत को लेकर दावा किया। हमें कर्नाटक में 140 से ज्यादा सीटें मिलेंगी।

महिला पहलवानों पर कोर्ट ने मांगी स्टेटस रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों की ओर से शिकायत मिलने के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट में आज इस मसले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने बुधवार को बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली पुलिस से स्थिति रिपोर्ट मांगी है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 12 मई को होगी।

जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना प्रदर्शन पिछले 18 दिनों से जारी है। पहलवान भारतीय कुश्ती संघ प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना दे रहे हैं। पहलवानों की मांग है कि बृजभूषण को गिरफ्तार किया जाए। साथ ही वह इस्तीफा भी दें। किसान बृजभूषण सिंह के विरोध में शीर्ष पहलवानों के साथ शामिल हो गए हैं और केंद्र सरकार को अल्टीमेटम दिया। खाप पंचायत के नेताओं ने प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ सरकार को बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए 15 दिन की समय सीमा दी।

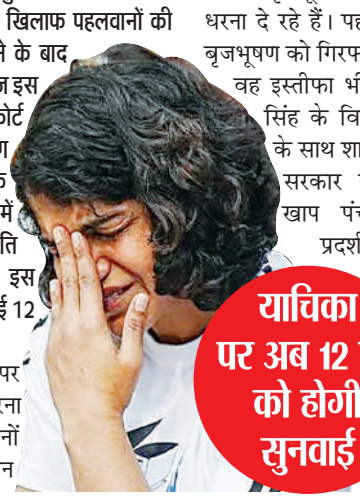

याचिका पर अब 12 मई को होगी सुनवाई

स्वार-छानबे में बवाल के बीच वोटिंग

» सपा ने लगाया वोटिंग को प्रभावित करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश के रामपुर की स्वार और मिर्जापुर की छानबे विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए आज मतदान हो रहा है। दोनों ही सीटों पर मतदान को लेकर सुरक्षा कड़ी है। स्वार उप चुनाव में 11 बजे तक 18.4 प्रतिशत मतदान हो गया। जबकि छानबे सीट पर 11 बजे तक 19.16 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

मिर्जापुर की छानबे विधानसभा उपचुनाव के लिए जारी वोटिंग को प्रभावित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल सपा कार्यकर्ताओं को फोन करके धमका रहे हैं। चुनाव आयोग कृपया मामले का संज्ञान ले। सपा कार्यकर्ताओं की सुरक्षा और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने की अपील की है। रामपुर की स्वार विधानसभा के खेमपुर, रसूलपुर, फरीदपुर,समोदिया में पुलिस मतदाताओं को वोट डालने से रोक रही है। वोटरों को जबरन पोलिंग बूथ से वापस लौटाया जा रहा है। समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग से संज्ञान लेने की अपील की है। साथ ही निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने की अपील की है।

पुलिस कर्मियों को प्रेक्षक ने लगाई फटकार

स्वार में युवतियों ने वोट डालने के बाद अपनी उंगली पर निशान दिखाया। उधर, स्वार में ही प्रेक्षक ने पुलिस कर्मियों को कड़ी फटकार लगाई। स्वार सीट से सपा प्रत्याशी अनुराधा चौहान ने रामपुर के डीएम रविंद्र कुमार मांडड से शिकायत की है। सपा प्रत्याशी अनुराधा चौहान दनियाल के गांधी इंटर कालेज मतदान केंद्र पर जिलाधिकारी रामपुर से वोटरों को रोके जाने की शिकायत करती हुईं।

चीतों की मौत नहीं हत्या हो रही है : अखिलेश

कूनो नेशनल पार्क में तीसरे चीते के मरने पर हैं नाराज

» सपा अध्यक्ष ने दोषियों के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में तीसरे चीते की मौत को उन्होंने प्रशासनिक हत्या बताया है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधा है।

बुधवार को कूनो में दक्षा नामक मादा चीते की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मेटिंग के दौरान नर चीते से संघर्ष में उसकी जान गई। बुधवार सुबह ट्वीट कर अखिलेश ने कहा कि कूनो में तीसरे चीते की मौत जानवरों पर क्रूरता का स्पष्ट मामला है। इसकी जांच हो और दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। अखिलेश ने लिखा कि जब इन चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था, तब बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिन लोगों ने यह कार्यक्रम किया था, उन्हें विदेशी चीतों के लिए सुरक्षित माहौल भी तैयार करना था। इवेंट करने वाले लोग चीतों को बीमारी और आपसी संघर्ष से मुक्त माहौल देने में नाकाम रहे।

सिनेमा का प्रयोग जहर फैलाने में न करें : शिवपाल यादव

लखनऊ। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने यूपी में फिल्म द केरल स्टोरी को टैक्स फ्री करने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि मनोरंजन को मनोरंजन के लिए छोड़ दें और सिनेमा व साहित्य का प्रयोग अपने जहरीले एजेंडे को देश पर थोपने के लिए न करें। उन्होंने आगे कहा कि नफरत की कोख से उपजी कोई भी कला राष्ट्र और समाज के लिए विध्वंसकारी होगी। मनोरंजन को मनोरंजन के लिए छोड़ दें और सिनेमा व साहित्य का प्रयोग अपने जहरीले एजेंडे को देश पर थोपने के लिए न करें। सपा के एक अन्य प्रवक्ता अमीक जामेई ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने द केरल स्टोरी को टैक्स फ्री कर दिया है। अब वह एक काम और करें, जो बेरोज़गार शिक्षक अभ्यर्थी आत्महत्या कर रहे है उनकी तरफ भी ध्यान दे दें। वहीं, एआईएमआईएम के प्रवक्ता आसिम वकार का कहना है कि प्रदेश में स्कूल फीस, दूध-दही और रोड भी टैक्स फ्री कीजिए। प्रदेश की जनता को लाभ मिलेगा।

मुझे पता है कि हमें क्या करना है : शरद पवार

» संजय राउत पर बिफरे, कहा-सामना के लेख की अहमियत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। एनसीपी चीफ पवार के रुख पर सामना के संपादकीय में तंज किया गया था। इसमें कहा गया कि पवार अपना उत्तराधिकारी ढूंढने में नाकाम रहे। इस लेख के एक दिन बाद पवार ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पर पलटवार किया है। पवार ने कहा कि वह ऐसे लेख को कोई अहमियत नहीं देते हैं। इसके साथ ही एनसीपी सुप्रीमो ने संजय राउत पर निशाना साधा।

सामना के संपादकीय में लिखा गया था कि एनसीपी को आगे ले जाने के लिए पवार अपना उत्तराधिकारी ढूंढने में असफल रहे। इस पर सातारा में शरद पवार ने जवाब दिया। पवार ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, संजय राउत को नहीं पता है कि हमने क्या किया है। एनसीपी की खासियत है कि हम अपने सभी साथियों के साथ चर्चा करते हैं। हमारे भले ही अलग-अलग विचार होते हैं लेकिन हम उन्हें बाहर प्रचारित नहीं करते हैं, क्योंकि यह हमारा पारिवारिक मामला है। एक परिवार के रूप में हमें पता है कि पार्टी को कैसे आगे ले जाना है और हम जानते हैं कि पार्टी में कैसे नया नेतृत्व बनाया जाता है। हमें और हमारी पार्टी के नेताओं को न तो दूसरों के कहने की परवाह है और न ही हम ऐसे लेखों को कोई महत्व देते हैं, क्योंकि हमें पता है कि हम क्या कर रहे हैं।

महंगाई, बेरोजगारी से मुक्ति पाने के लिए मतदान जरूरी : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी निकाय चुनाव के लिए 11 मई को होने वाले दूसरे चरण के मतदान में जनता से ज्यादा जोश व लगन के साथ वोट करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वोट करना जनविरोधी सरकारों को सबक सिखाने का सही तरीका है। उन्होंने कहा कि महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी से मुक्ति पाने के लिए मतदान में भागीदारी बहुत जरूरी है।

उन्होंने जनता से बसपा को वोट करने की अपील की है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व विचलित करती अन्य जन समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए चुनाव में लोगों की भरपूर भागीदारी बहुत जरूरी है। अत: 11 मई को दूसरे चरण के यूपी निकाय चुनाव में लोगों से ज्यादा जोश एवं लगन के साथ वोट करने की अपील है।एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि जनविरोधी पार्टी व सरकारों को सही सबक सिखाने का जनता के पास वोट का सर्वोत्तम लोकतांत्रिक अधिकार है जिसका इस्तेमाल देश के लोग चुनाव में अक्सर करते हैं। यूपी निकाय चुनाव में भी वोट का सही इस्तेमाल करके बसपा को जिताएं तथा सरकार को अनुशासित व जिम्मेदार होने के लिए बाध्य करें।

सोरेन से मिलेंगे नीतीश, दौरा आज

» मुलाकात के दौरान विपक्षी एकता समेत कई मुद्दों पर होगी बातचीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराने के लिए सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने की कोशिश में जुटे है। इस सिलसिले में वे बुधवार दोपहर बाद पटना से रांची आ रहे हैं। नीतीश कुमार रांची में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष और सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात करेंगे। संभावना जताई जा रही है कि इस मुलाकात के दौरान विपक्षी एकता समेत कई मुद्दों पर बातचीत होगी।

सीएम हेमंत सोरेन झारखंड में यूपीए का चेहरा है। पिछले साढ़े तीन वर्षों से अधिक समय से वे राज्य में गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

इस गठबंधन सरकार में कांग्रेस और आरजेडी शामिल हैं। इसलिए पहले से ही तय माना जा रहा है कि सीएम हेमंत सोरेन आगामी लोकसभा में भी राज्य में बीजेपी के खिलाफ रणनीति तय करने में बड़ी भूमिका निभाएंगे।

लेकिन जिस तरह से जेडीयू नेताओं-कार्यकर्ताओं की ओर से बार-बार नीतीश कुमार को विपक्ष फेस साबित करने की कोशिश की जा रही हैं। उस पर संभवत: सीएम हेमंत सोरेन की ओर से फिलहाल किसी तरह की सहमति मिलने की संभावना नहीं हैं। राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि हेमंत सोरेन के लिए फिलहाल झारखंड में अपनी सरकार को बचाए रखना प्राथमिकता है। उनकी सरकार फिलकाल कांग्रेस के ही बूते टिकी हैं। ऐसे में हेमंत सोरेन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर खुलकर तीसरे मोर्चे या नीतीश कुमार के साथ नहीं आ सकते हैं।

शाम को सीएम आवास में होगी मुलाकात

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को दोपहर 4 बजे पटना से रांची के लिए उड़ान भरेंगे। शाम करीब 4.45 बजे से रांची स्थित बिरसा मुंडा हवाईअड्डा पहुंचेंगे। जहां जेडीयू कार्यकर्ताओं की ओर से उनका जोरदार स्वागत किया। बाद में वे एयरपोर्ट से सीधे सीएम आवास पहुंचेंगे। जहां हेमंत सोरेन से उनकी मुलाकात होगी। करीब एक घंटे तक दोनों नेताओं के बीच मुलाकात संभावना है। इस मुलाकात के बाद नीतीश कुमार वापस पटना लौट जाएंगे।

दूसरे चरण में सपा-बसपा मार सकते हैं बाजी

» मतदान कल: भाजपा के लिए आसान नहीं है राह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दूसरे चरण में भाजपा को सपा व बसपा से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। नगर निकाय चुनाव के इस चरण में अयोध्या, कानपुर, मेरठ, अलीगढ़, बरेली, गाजियाबाद और शाहजहांपुर नगर निगमों में चुनाव हो रहे हैं। वर्ष 2017 के चुनावी रिकॉर्ड के लिहाज से दूसरे चरण में भाजपा की राह में रोड़े हैं।

अलीगढ़ और मेरठ बसपा ने जीता था। अयोध्या और बरेली में जीत तो मिली थी लेकिन अंतर बड़ा नहीं था। हालांकि गाजियाबाद और कानपुर में भाजपा की प्रचंड जीत हुई थी। इस बार चुनाव में भाजपा को कई जगह प्रत्याशी को लेकर अपनों का विरोध झेलना पड़ा है। कई जगह जातीय समीकरणों के लिहाज से विपक्षी प्रत्याशी कड़ी टक्कर दे रहे हैं।

अयोध्या : अयोध्या में भाजपा ने निवर्तमान महापौर ऋषिकेश उपाध्याय का टिकट काटकर तिवारी मंदिर के महंत गिरीशपति त्रिपाठी को प्रत्याशी बनाया है। वर्ष 2017 में अयोध्या में भाजपा के ऋषिकेश उपाध्याय ने 3,601 मतों से सपा की प्रत्याशी किन्नर गुलशन बिंदू को हराया था। अयोध्या में सपा ने आशीष पांडेय को प्रत्याशी बनाया हैं। यहां भी प्रत्याशी चयन को लेकर स्थानीय नेताओं में हल्की नाराजगी रही है। भाजपा सरकार और संगठन ने रामंदिर निर्माण के चलते अयोध्या में महापौर चुनाव जीत को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाया है।

कानपुर : कानपुर में भाजपा की प्रमिला पांडेय ने कांग्रेस की बंदना मिश्रा को 1,05,134 मतों से हराया था। भाजपा ने आरएसएस के कुछ पदाधिकारियों और भाजपा सांसद सत्यदेव पचौरी की नाराजगी के बाद भी प्रमिला पांडेय को प्रत्याशी बनाया है। सपा ने भाजपा के ब्राह्मण वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए विधायक अमिताभ बाजपेयी की पत्नी वंदना बाजपेयी को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, सांसद सत्यदेव पचौरी भी अपनी बेटी नीतू सिंह को टिकट नहीं मिलने से खफा हैं। यहां भाजपा और सपा में सीधा मुकाबला है। **मेरठ :** मेरठ में बसपा की सुनीता वर्मा ने भाजपा की कांता कर्दम को 29,582 मतों से हराया था। भाजपा ने पूर्व महापौर हरिकांत अहलूवालिया को प्रत्याशी बनाया है। सपा विधायक अतुल प्रधान की पत्नी सीमा चुनाव लड़ रही हैं।

फिल्म से गरमाई सियासत

केरल स्टोरी को लेकर भाजपा व विपक्ष में रार

- तमिलनाडु व बंगाल में बैन, यूपी व मप्र में टैक्स फ्री
- बीजेपी ने कहा सत्य की कहानी, विपक्ष ने कहा प्रोपेगेंडा
- विपक्ष ने बीजेपी शासित राज्यों के आंकड़े निकाले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

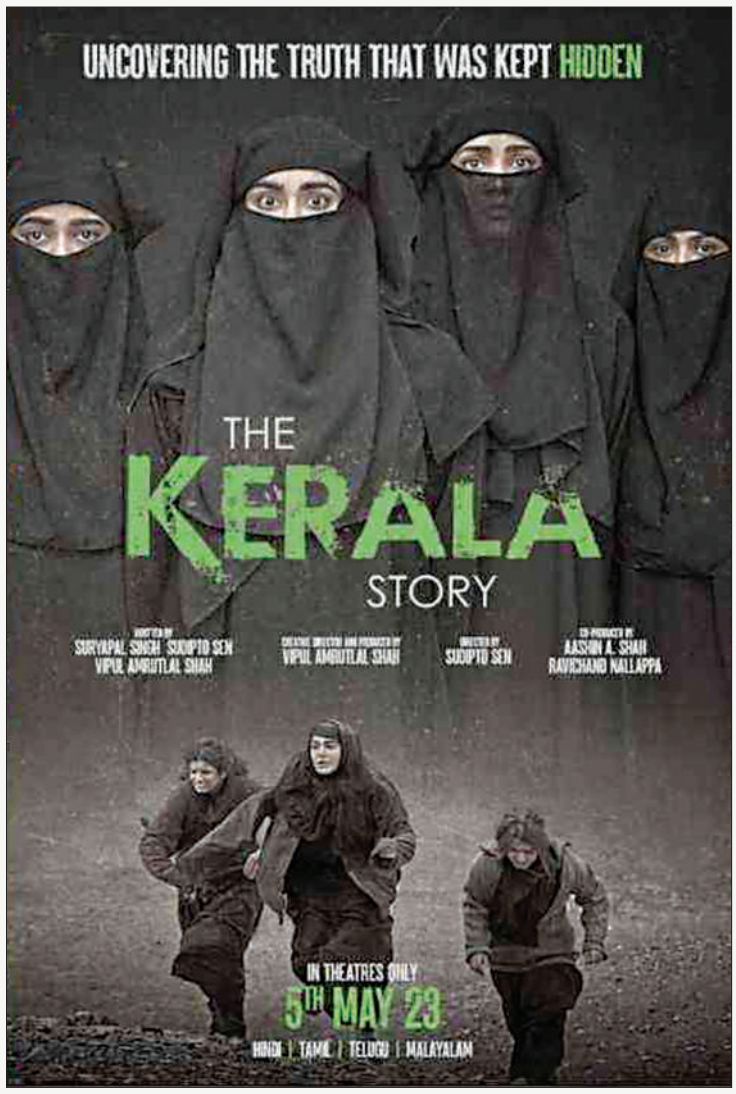

नई दिल्ली। केरल स्टोरी फिल्म सियासत के घेरे में आ गई है। बीजेपी जहां इसके समर्थन है वही विपक्ष के कुछ दल इसको प्रोपेगेंडा फिल्म बता रहे हैं। भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने इसे सत्य बताने वाला फिल्म बताया है तो असदुदीन ओवैसी ने इस फिल्म के तथ्यों को सिरे खारिज कर दिया है। हालांकि पिक्चर के ट्रेलर के बाद ही यह फिल्म कॉंट्रोवर्सी में आ गई थी। पिछले कुछ साल से देखने को मिल रहा कि फिल्में सियासी खेमों में बंट गई हैं। यहां तक तो ठीक है अब तो कलाकार भी गुटबाजी के शिकार हो गए हैं।

यह पहली फिल्म नहीं है जो विवादों में आई है इससे पहले द कश्मीर फाइल्स, पद्मावत व पठान भी आलोचकों व सियासी दलों के निशाने पर आ चुके हैं। जबरदस्त कॉन्ट्रोवर्सी के बीच 5 मई को रिलीज कर दी गई। फिल्म को एक तरफ सपोर्ट किया जा रहा है तो वहीं, दूसरी तरफ विरोध भी हो रहा है। विवादों में उलझी द केरल स्टोरी रिलीज के बाद भी परेशानियां झेल रही है। फिल्म को कई राज्यों में बैन कर दिया गया है। इनमें से पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु शामिल हैं। वहीं मप्र व उप्र जैसे राज्य इसे टैक्स फ्री कर चुके हैं। कुल मिलाकर बीजेपी शासित राज्यों में इसको बढ़ावा मिल रहा है जबकि गैर बीजेपी सरकारें इसको बैन कर रही हैं। केरला स्टोरी को लेकर बीजेपी लगातार मुखर है और कहा जा रहा है कि ये असली सच्चाई है, इतनी सारी लड़कियां केरल से गायब हो गईं और किसी को पता भी नहीं चला, पीएम मोदी ने भी चुनावी मंचों से इस फिल्म का जिक्र किया। वहीं बीजेपी शासित राज्य इस फिल्म को टैक्स फ्री भी कर रहे हैं।

केरला स्टोरी को लेकर देशभर में विवाद हो रहा है, कोई इस फिल्म को एक प्रोपेगेंडा बता रहा है तो कोई इसकी जमकर तारीफ करने में लगा है। केरल से कई लड़कियों के गायब होने और उनके धर्म परिवर्तन को लेकर बनाई गई इस फिल्म के बीच कुछ ऐसे आंकड़े सामने आए हैं, जो हैरान कर देने वाले हैं, ये आंकड़े केरल से नहीं, बल्कि देश के बाकी राज्यों से हैं, जिनमें बताया गया है कि कैसे रोजाना सैकड़ों महिलाएं और नाबालिग लड़कियां गायब हो रही हैं। ये आंकड़े नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के हैं।

उखड़े सुदीप्तो-बोले, दीदी पहले फिल्म देखें

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस फैसले पर अब डायरेक्टर सुदीप्तो सेन ने रिएक्ट किया है। उन्होंने सरकार से सवाल पूछते हुए कहा कि ममता बनर्जी बिना फिल्म को देखें कैसे इसे बैन करने का फैसला ले सकती हैं। सुदीप्तो सेन ने कहा, कि ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि ममता बनर्जी ने फिल्म को देखें बिना ये फैसला कर लिया, बिना देखें वो कैसे निर्णय कर सकती हैं कि ये फिल्म राज्य के लिए खतरा है। उन्होंने आगे कहा, कि आप जानते हैं कि मेरी फिल्म की घोषणा हुई तो इसे निश्चित तौर पर ब्लॉकबस्टर बताया गया। कोलकाता के लोगों ने पूरे दिल से मेरी फिल्म देखी। फिल्म के विरोध में एक भी घटना किसी भी थिएटर्स के बाहर नहीं हुई, बल्कि लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिया, क्योंकि मैं एक बंगाली हूं और मैंने ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर फिल्म बनाई। फिर ना जाने कल शाम ममता दीदी को क्या इनपुट मिला और उन्होंने अचानक फिल्म को बैन कर दिया। पुरानी फिल्मों के बैन पर बात करते हुए सुदीप्तो सेन कहा, ममता दीदी और महुआ मोइत्रा जी ऐसी महिलाएं है जो फ्री स्पीच की चैंपियन रही हैं। उन्होंने ह्यूमन राइट्स से लिए हमेशा आवाज उठाई है। जब बीबीसी की डॉक्युमेंट्री पर बैन की बात हुई तो ममता बनर्जी ने फिल्म को सपोर्ट किया। जब पद्मावत पर बैन लगाने की बात हुई तो ममता बनर्जी पहली राजनेता थीं, जो फिल्म के समर्थन में आईं। अब उनकी तरह से ऐसा एक्शन लेना दुर्भाग्यपूर्ण है। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित निर्णय है। मैं ममता दीदी से अनुरोध करता हूं कि वो खुद पहले फिल्म को देखें और फिर फैसला करें कि क्या फिल्म के खिलाफ कार्रवाई करना चाहिए या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट की दर पर पहुंची केरल स्टोरी

नई दिल्ली। फिल्म द केरल स्टोरी पर रोक लगाने से मना करने के केरल हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने शीर्ष अदालत से मामले में जल्द सुनवाई का अनुरोध किया, जिसके बाद चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने 15 मई को सुनवाई की बात कही। केरल हाईकोर्ट ने 5 मई को फिल्म द केरल स्टोरी की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। यह कहते हुए कि केरल का धर्मनिरपेक्ष समाज फिल्म को उसी रूप में स्वीकार करेगा, जैसी वह है, केरल हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि फिल्म, जो काल्पनिक है न कि इतिहास, समाज में कैसे सांप्रदायिकता और संघर्ष पैदा करेगी। अदालत ने यह भी जानना चाहा कि क्या पूरा ट्रेलर समाज के खिलाफ था। अदालत ने फिल्म के सेंसर प्रमाणपत्र को रद्द करने की मांग करने वाली याचिकाओं के एक बैच पर विचार करते हुए कहा, सिर्फ फिल्म दिखाए जाने से कुछ नहीं होगा। फिल्म का टीजर नवंबर में रिलीज किया गया था। फिल्म में आपत्तिजनक क्या था? यह कहने में क्या गलत है कि अल्लाह ही एकमात्र ईश्वर है? देश नागरिकों को यह अधिकार देता है कि वे अपने धर्म और ईश्वर को मानें और उसका प्रसार करें। ट्रेलर में आपत्तिजनक क्या था?

गुजरात-महाराष्ट्र में गायब हुई हजारों लड़कियां

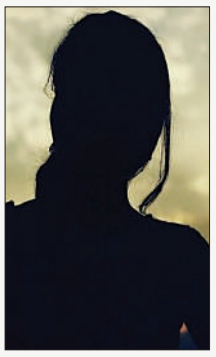

अब केरल को लेकर सवाल उठा रही बीजेपी को काउंटर करने के लिए विपक्षी दलों की तरफ से एनसीआरबी डेटा निकाला गया है। जिसमें चौंकाने वाले आंकड़े दिखाए गए हैं। बीजेपी शासित राज्य गुजरात को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा है। जहां पिछले 5 साल में 40 हजार लड़कियों के गायब होने का दावा किया गया है। गुजरात के अलावा महाराष्ट्र जैसे राज्यों के आंकड़े भी काफी हैरान कर देने वाले हैं। एनसीआरबी के आंकड़े हैरान करने वाले हैं। साल 2021 में कुल 3,89,844 लोगों के मिस होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिनमें 2,65,481 महिलाएं शामिल थीं। ये आंकड़ा 2020 से काफी ज्यादा था। रिपोर्ट के मुताबिक 2020 के मुकाबले 2021 में मिसिंग मामलों में 20.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ। हालांकि एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि लापता लोगों में से ज्यादातर को ट्रेस कर लिया गया, इसके मुताबिक कुल 3,85,124 लोग (1,23,716 पुरुष, 2,61,278 महिलाएं) इसी साल या तो मिल गए या फिर उन्हें ट्रेस कर लिया गया। वहीं नाबालिगों की बात करें तो इसका आंकड़ा भी काफी चौंकाने वाला है। साल 2021 में कुल 77,535 बच्चे लापता हुए, जिनमें 17,977 लड़के और 59,544 लड़कियां शामिल थीं। जो पिछले साल यानी 2020 के मुकाबले करीब 30.8 फीसदी ज्यादा थी. हालांकि इनमें से 58,980 बच्चों को ट्रेस और रिकवर कर लिया गया।

लापता महिलाओं के मामले में तीसरा नंबर महाराष्ट्र का है। जहां कुल 60435 महिलाएं लापता हुईं, जिनमें से 2021 तक 39805 महिलाओं को ट्रेस कर लिया गया। वहीं 20630 महिलाएं लापता ही रहीं. नाबालिग लड़कियों में कुल 3937 लापता हुईं, जिनमें से 2021 तक 2752 को रिकवर कर लिया गया था। बाकी 1185 का पता नहीं लग पाया।

पश्चिम बंगाल दूसरे नंबर पर

मध्य प्रदेश के बाद पश्चिम बंगाल महिलाओं के लापता होने के मामले में दूसरे नंबर पर है। जहां कुल 64276 महिलाएं लापता हुईं, जिनमें 2021 तक 35464 महिलाओं का पता लगा लिया गया। हालांकि 35110 को ट्रेस नहीं किया जा सका। करीब 51.6 प्रतिशत महिलाओं को रिकवर किया गया। नाबालिग बच्चियों में कुल 13278 लड़कियों की मिसिंग रिपोर्ट दर्ज हुई, जिनमें 7669 को 2021 तक ट्रेस कर लिया गया। कुल 5609 लड़कियों का पता नहीं लग पाया।

ओडिशा-राजस्थान भी पीछे नहीं

इस लिस्ट में चौथा नंबर ओडिशा का है. जहां कुल 35981 महिलाएं लापता हुईं, जिनमें से 2021 तक 16806 महिलाओं का ही पता लग पाया। वहीं 19175 महिलाएं लापता ही रहीं। नाबालिगों की बात करें तो ओडिशा में कुल 6399 बच्चियां लापता हुईं, जिनमें से 2021 तक 3943 लड़कियों को रिकवर कर लिया गया। हालांकि 2456 बच्चियों का पता नहीं लग पाया। पांचवें नंबर पर राजस्थान आता है, एनसीआरबी के मुताबिक राजस्थान में कुल लापता महिलाओं की संख्या 30182 थी, जिनमें से 2021 तक 18401 को रिकवर या ट्रेस कर लिया गया, लेकिन 11781 महिलाओं का पता नहीं लग पाया. वहीं नाबालिगों की बात करें तो कुल 4935 बच्चियां लापता हुईं, जिनमें से 2021 तक 4172 को रिकवर कर लिया गया। यानी 763 बच्चियों को ट्रेस नहीं किया जा सका। इनके अलावा बाकी राज्यों में दिल्ली (29676), तमिलनाडु (23964), छत्तीसगढ़ (22126), तेलंगाना (15828), गुजरात (15221), बिहार (14869), कर्नाटक (14201), हरियाणा (12622), उत्तर प्रदेश (12249) और पंजाब में कुल 7303 महिलाओं के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

आंकड़ों में केरल

सबसे पहले आपको उस केरल के आंकड़े बताते हैं, जिसे लेकर विवाद हो रहा है, केरल में कुल 6608 महिलाएं लापता हुईं, जिनमें 6242 महिलाओं को 2021 तक रिकवर या ट्रेस कर लिया गया था. यानी 366 महिलाएं एक साल में ऐसी थीं, जिन्हें खोजा नहीं जा सका, वहीं अगर नाबालिग लड़कियों की बात करें तो कुल 951 लड़कियों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई, जिनमें से 2021 तक 919 को रिकवर कर लिया गया. 32 लड़कियों का पता नहीं चल पाया।

मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा मिसिंग केस

अब उन राज्यों की बात कर लेते हैं, जिनकी ये खौफनाक स्टोरी जानना आपके लिए जरूरी है. महिलाओं के लापता होने के मामले में सबसे ऊपर मध्य प्रदेश है. जहां कुल 68,738 महिलाएं लापता हो गईं. जिनमें से 2021 तक सिर्फ 35464 का ही पता लग पाया. बाकी 33274 महिलाओं का पता नहीं लगाया जा सका. नाबालिगों की बात करें तो कुल 13034 लड़कियों की मिसिंग रिपोर्ट लिखाई गई. जिनमें से 2021 तक 10204 लड़कियों का पता लगा लिया गया, वहीं 2830 बच्चियों का पता नहीं लग पाया.

लापता होने के अलग-अलग कारण

देश के अलग-अलग राज्यों में हजारों की संख्या में महिलाओं और बच्चियों के लापता होने के अलग-अलग कारण हैं। कई राज्यों से महिलाओं को बहला-फुसलाकर दूसरे राज्यों में ले जाया जाता है, जहां उनसे देह व्यापार जैसे काम कराए जाते हैं, इनमें से ज्यादातर महिलाओं का पता नहीं लग पाता, इनमें शादी और नौकरी देने का लालच सबसे ज्यादा होता है, इसके अलावा विदेश में नौकरी के बहाने से भी लड़कियों की ट्रैफिकिंग की जाती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

खाड़ी देशों में पैठ बढ़ाने की कवायद

खाड़ी देशों में भारत अपनी मजबूती के लिए समय-समय पर प्रयास करता रहता है। अबकि बार रेलवे के जरिये वह वहां पर अपनी पैठ बढ़ाना चाहता है। ये कूटनीति चीन के बढ़ते प्रभाव की काट के लिए कारगर साबित होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिका, यूएई और सऊदी अरब के सुरक्षा सलाहकारों से मुलाकात की है। अगर यह प्लान सफल हुआ तो न सिर्फ अरबों डॉलर का व्यापार होगा, बल्कि चीन की चुनौती भी कुंद होगी। अमेरिका, यूएई और सऊदी अरब को साथ लेकर भारत विशाल रेल नेटवर्क खड़ा करेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने इस बारे में तीनों देशों के एनएसए से मुलाकात की। वेस्ट एशिया का भारत और बाकी दुनिया से कनेक्शन और कैसे मजबूत किया जाए, इसपर बात हुई। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, रेल के जरिए गल्फ और अरब देशों को जोड़ने की तैयारी है। यह रेल नेटवर्क भारत के बंदरगाहों से भी कनेक्ट होगा। यह प्रोजेक्ट खाड़ी में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने में अहम है।

सऊदी अरब-ईरान के बीच शांति समझौता कराने के बाद चीन का दबदबा इलाके में बढ़ा है। इस फोरम में भारत के अलावा अमेरिका, इजरायल और यूएई है। इजरायल ने सुझाया कि पूरे इलाके को रेलवे से जोड़ दिया जाए। भारत इसमें एक्सपर्ट है, उसकी मदद ली जाए। प्रोजेक्ट पर अमल हुआ तो वेस्ट एशिया में रेल लाइनों का जाल बिछेगा। इन रेल नेटवर्क्स को बंदरगाहों से जोड़ा जाएगा। भारत पहले से ही मोजाम्बिक और मॉरीशस जैसे देशों में रेलवे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है। भारत के लिहाज से यह प्रोजेक्ट बेहद अहम है। चार देशों के साथ आने से इलाके में चीन के बढ़ते इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट को काउंटर किया जा सकेगा। 2005 से 2022 के बीच चीन ने मिडल-ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका में 273 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। अधिकतर निवेश इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुआ। कई देशों ने चीन के बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना स्वीकार किया है। क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव से भारत और अमेरिका अलर्ट हो गए हैं। इतने बड़े प्रोजेक्ट से ग्लोबल लेवल पर भारत की साख बढ़ेगी। मिडल-ईस्ट के देशों को एक मजबूत साथी चाहिए और भारत उस कमी को पूरा कर सकता है। चीन के प्रति इन देशों के झुकाव की वजह से भारत परेशान भी है। अगर भारत रेल प्रोजेक्ट करता है तो इस क्षेत्र में उसका दबदबा तो बढ़ेगा ही साथ एक ताकतवर शक्ति के रुप में अपनी पहचान बनाएगा। व्यापार के लिहाज से भी यह बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है। ईरान व सऊदी अरब जैसै देशों के नए रुख का भी भारत को लाभ मिल सकता है।

“ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिका, यूएई और सऊदी अरब के सुरक्षा सलाहकारों से मुलाकात की है। अगर यह प्लान सफल हुआ तो न सिर्फ अरबों डॉलर का व्यापार होगा, बल्कि चीन की चुनौती भी कुंद होगी। अमेरिका, यूएई और सऊदी अरब को साथ लेकर भारत विशाल रेल नेटवर्क खड़ा करेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने इस बारे में तीनों देशों के एनएसए से मुलाकात की।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नशे की समस्या पर पार पाने का सही वक्त

राजेश रामचंद्रन

यह कहना कि पंजाब में नशा एक समस्या है या इसे नशे की लत के खतरे ने जकड़ रखा है, एक घिसा-पिटा वाक्य कहा जाएगा। हालांकि यह पूरी तरह सत्य नहीं है। तथ्य तो यह है कि पंजाब में समस्या की जड़ कुछ राजनेता हैं और भ्रष्ट पुलिस वालों के खतरे से प्रदेश ग्रस्त है। इन दोनों बीमारियों ने नशे की सौदागरी और लत सहित अलग-अलग रूप धर रखे हैं। भगवंत मान सरकार ने अब सहायक पुलिस महानिदेशक राज जीत सिंह को नौकरी से निकालने और केस दर्ज करने की कार्रवाई की है। यह वाकई स्वागतयोग्य कदम है। लेकिन क्या बस यहीं तक? घपलेबाज राजनेताओं और भ्रष्ट पुलिस वालों की जुगलबंदी से पंजाब में जो इतना विशाल नशा माफिया पंजे गड़ाए है और जिसके खिलाफ लड़ाई का जनादेश पंजाबी मतदाताओं ने मौजूदा सत्ताधारियों को दिया है, क्या वह छोटे-मोटे प्यादों की गिरफ्तारियों तक सिमटकर रह जाएगा?

छोटी हो या बड़ी, पंजाब की तमाम नशे संबंधी गतिविधियों के पीछे पुलिस से सांठ-गांठ होना है और कहा जाये तो यहां नशे की समस्या वास्तव में कुछ भ्रष्ट पुलिस वालों का बनाया कैंसर है। एक उदाहरण है पूर्व पुलिस उप-अधीक्षक जगदीश सिंह भोला का, जिसे नशे की रासायनिक दवाओं के कारोबार के केस में 2013 में गिरफ्तार किया गया था और 2019 में सजा हुई। इस मामले ने हजारों करोड़ रुपये के नशे के धंधे की पोल खोल दी जिसमें सिद्ध हुआ कि सिंथेटिक नशीली दवाएं बनाकर, कनाडा और यूरोप के मुल्कों को निर्यात की जाती हैं। इस केस ने पंजाब के बड़े पुलिस अधिकारियों और राजनेताओं को यह मौका भी दिया था कि नशे की समस्या की जड़ को पहचानें और समुचित उपाय करें। लेकिन उन्होंने किया कुछ नहीं क्योंकि कथित तौर पर सड़न बिल्कुल शीर्ष पर थी। तफ्तीश में भोला ने तत्कालीन कराधान मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया का नाम बतौर सह-आरोपी लिया था। अब जिस तरह पुलिस निरीक्षक इंदरजीत सिंह और सहायक पुलिस महानिदेशक को नौकरी से निकाला गया या सजा दी गई है, उसी तरह भोला वाले मामले में उसको तो मुख्य आरोपी बना दिया परंतु उसके संरक्षक राजनेताओं की भूमिका की जांच तक नहीं हुई।

इस बार जबकि आम आदमी पार्टी सरकार पंजाब में नशे की समस्या से निबटने को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है, तो इसकी हकीकत मजीठिया को जमानत पर रिहा करते वक्त आये उच्च न्यायालय के आदेश को पढ़ने पर

समझ आ जाएगी कि कैसे जांच प्रक्रिया दरअसल फर्जी रही पहले कांग्रेस सरकार के वक्त और अब मौजूदा सरकार के समय भी जिसके चलते मजीठिया को नियमित जमानत मिल पाई। यह पूरा मामला गिरफ्तार किए गए कुछेक आरोपियों द्वारा दिए बयानों और हरप्रीत सिंह सिद्धू के नेतृत्व वाले विशेष कार्य बल की जांच रिपोर्ट पर टिका हुआ लगता है, जिसपर आगे कार्रवाई करने को लेकर सत्ता में आयी विभिन्न सरकारें कन्नी काटती रहीं। वर्ष 2018 में हरप्रीत सिंह सिद्धू ने न्यायालय में जो स्थिति रिपोर्ट जमा की है, उसमें बताया गया है मजीठिया के सतप्रीत सिंह 'सत्ता', परमिंदर सिंह 'पिन्दी', जगजीत सिंह चाहल, मनिन्दर सिंह औलख और अमरिन्दर सिंह 'लाडी' से निकट संबंध हैं। आरोप है कि भोला नशे के कारोबार में चाहल, औलख, लाडी, पिन्दी और सत्ता के साथ मिला हुआ था और मजीठिया ने सत्ता और पिन्दी तक रासायनिक नशे की गोलियां पहुंचाने के काम में सहायता की है, मजीठिया और चाहल एवं अन्यों के बीच हुए पैसे के लेन-देन की जांच आगे किये जाने की जरूरत है, और इस बाबत भी जांच हो कि क्या धन को विदेशों में प्रॉपर्टी में परिवर्तित किया गया है। हरप्रीत सिद्धू की रिपोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष, धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामले में पेश हुए भोला, चाहल और औलख के इकबालिया बयानों का जिक्र है। लेकिन जो होना था बस यहीं तक हुआ आगे न तो प्रवर्तन निदेशालय और न ही पंजाब पुलिस ने सूबे से चल रहे नशे के अंतर्राष्ट्रीय धंधे को लेकर कोई गंभीर जांच की, जोकि जाहिर है राजनेताओं के संरक्षण के बिना संभव नहीं। धीरे-धीरे, अरबों रुपयों के इस रासायनिक नशा उद्योग को लेकर उठने वाला तमाम मुद्दा यहां-वहां हेरोइन की खेपों की कुछ ग्राम मात्रा या चरस की कुछ गोलियां पकड़कर मचाये हो-हल्ले में दबा दिया गया।

जब पूर्व उप-निदेशक निरंजन सिंह ने दिसंबर 2021 में अपने एक बयान की व्याख्या की कि उनके पास नशे से जुड़ी गतिविधियों में मजीठिया की धन लगाने संबंधी लिप्तता होने को लेकर - वर्ष 2004 से पहले या बाद - कोई सामग्री नहीं थी। हैरानी नहीं कि प्रवर्तन निदेशालय पर इल्जाम लगे कि वह केवल विपक्ष को निशाना बनाता है। वर्ष 2020 तक, आरोपी के परिजन केंद्र की गठबंधन सरकार का हिस्सा रहे। इस मामले के पग-पग पर जांच में कोताही गुस्सा दिलाती है।

गुणवत्ता से ही जीवन में उत्कृष्टता संभव

सीताराम गुप्ता

विचारों अथवा भावों की गुणवत्ता से कर्म की गुणवत्ता तथा कर्म की गुणवत्ता से वस्तुओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखना संभव है। जिस प्रकारउत्पादों की गुणवत्ता उत्पादक के विचारों-भावों से ही नियंत्रित होती है, उसी तरह व्यक्ति के व्यवहार -व्यक्तित्व की गुणवत्ता भी विचारों-भावों से ही नियंत्रित होती है। पर क्या भाषा पर नियंत्रण द्वारा हम अपनी मनोदशा या व्यवहार बदल सकते हैं? यदि बाहरी दबाव से ऐसा किया जाता है तो वो कुछ समय के लिए संभव है लेकिन स्थायी रूप से नहीं।

एक पत्रिका मेरे सम्मुख है जिसके कवर पर एक विज्ञापन छपा है— गुणवत्ता के साथ समझौता न करें, आईएसआई मार्क वाली वस्तुऐं खरीदें। विज्ञापन में उपभोक्ताओं को उत्तम गुणवत्ता वाली वस्तुएं ही खरीदने की सलाह दी गई है जो बिल्कुल ठीक है। लेकिन विज्ञापन में वर्तनी संबंधी एक त्रुटि भी दृष्टिगोचर होती है। वस्तुऐं की बजाय सही स्पैलिंग है -वस्तुएं। वस्तुओं की गुणवत्ता के साथ-साथ भाषा की गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाये तो कितना अच्छा हो। पर क्या मात्र भाषा या वर्तनी की शुद्धता अथवा गुणवत्ता से वस्तुओं अथवा व्यक्ति के विचारों की गुणवत्ता संभव है?

जहां तक भाषा की बात है, भाषा हमारे विचारों की वाहक होती है अत: विचारों की गुणवत्ता का बहुत महत्व होता है। यद्यपि भाषा की शुद्धता में वर्तनी का भी पर्याप्त महत्व है लेकिन विचार-भाव भाषा की आत्मा होते हैं। इसलिए वस्तुओं ही नहीं, विचारों -भावों की गुणवत्ता के साथ भी समझौता न करें। विचारों अथवा भावों की गुणवत्ता से कर्म की गुणवत्ता तथा कर्म की गुणवत्ता से वस्तुओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखना संभव है। जिस प्रकारउत्पादों की गुणवत्ता उत्पादक के विचारों-भावों से ही नियंत्रित होती है, उसी तरह व्यक्ति के व्यवहार -व्यक्तित्व की गुणवत्ता भी विचारों-भावों से ही नियंत्रित होती है। जब कोई अशिष्टता से पेश आता है तो हम अंग्रेजी का जुमला इस्तेमाल में लाते हैं- माइंड योर लैंग्वेज। पर क्या भाषा पर नियंत्रण द्वारा हम अपनी मनोदशा या व्यवहार बदल सकते हैं? यदि बाहरी दबाव से ऐसा किया जाता है तो वो कुछ समय के लिए संभव है लेकिन स्थायी रूप से नहीं। भाषा हमारे भावों अथवा विचारों की बाह्य अभिव्यक्ति होती है। यदि हम भाषा पर पूर्ण नियंत्रण कर पाते हैं तो इसका सीधा अर्थ है कि हमने अपने विचारों पर भी नियंत्रण कर लिया है जो वास्तव में मन पर नियंत्रण द्वारा ही संभव है। इस प्रकार का नियंत्रण ही महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वो स्थायी होता है। जैसा हम चाहते हैं या जो अच्छा है वो मन के स्तर पर होना चाहिए। उसमें मन की स्वीकृति होनी चाहिए।

जिस प्रकार अपनी पसंद के सुंदर फूल पाने के लिए उन फूलों के पौधों के बीज बोना संभव है, उसी प्रकार अच्छे जीवन के निर्माण के लिए अच्छे कर्म करना और अच्छे कर्म करने को अच्छे विचारों का विकास करना भी संभव है। विचारों का उद्गम है मन। मन पर नियंत्रण द्वारा हम गलत विचारों पर रोक लगा सकते हैं तथा अच्छे विचार भर सकते हैं। यदि जीवन रूपी बगिया रंगों से सराबोर करनी है तथा महकानी है तो मन रूपी बगिया में अच्छे विचार-बीज बोइए, सकारात्मक सोच के पौधे लगाइए। प्राय: कहा जाता है कि पुरुषार्थ से ही कार्य सिद्ध होते हैं, मन की इच्छा से नहीं। बिलकुल ठीक बात है लेकिन मनुष्य पुरुषार्थ कब करता है? पहली बात, मन की इच्छा के बिना पुरुषार्थ असंभव है। मनुष्य में पुरुषार्थ या हिम्मत अथवा प्रयास करने की इच्छा भी भाव से ही उत्पन्न होती है और सभी भाव मन द्वारा उत्पन्न-संचालित होते हैं। अत: मन की उचित दशा अथवा सकारात्मक विचार ही पुरुषार्थ को संभव बनाते हैं। मन में उत्पन्न होने वाले प्रेरणास्पद भाव ही पुरुषार्थ के लिए उत्प्रेरक तत्व का कार्य करते हैं। यदि मन ही साहस, स्फूर्ति व सफलता प्राप्त करने की कामना से रहित हो तो कुछ भी संभव नहीं।

सफलता पूर्ण रूप से पुरुषार्थ पर नहीं, मन की इच्छा पर निर्भर है। इच्छाएं ही हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं, लेकिन संतुलित सकारात्मक इच्छाएं क्योंकि जैसी इच्छा वैसा परिणाम। कुछ लोग इच्छाओं के त्याग की बात करते हैं लेकिन इच्छाओं के अभाव में हम एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। आज हम जो हैं अपनी इच्छाओं के कारण हैं। यदि हम अच्छी स्थिति में नहीं हैं तो हमें अपनी इच्छाएं बदलनी होंगी। उत्तम गुणवत्ता वाले विचारों का चयन सीखना होगा। हम सही विचारों का चयन करना सीखें ये इच्छा रखना भी अनिवार्य है। स्वास्थ्य विषयक सकारात्मक विचार आरोग्य प्रदान करेंगे तथा समृद्धि के प्रति विश्वास के विचार समृद्धि देंगे। कुछ लोग केवल भौतिक सुख-समृद्धि चाहते हैं। उनको ये सब मिलता भी है लेकिन वास्तविक सुख-संतुष्टि नहीं। जीवन में संतुष्टि की कामना करेंगे तो संतुष्टि भी मिलेगी। संतुष्टि के सामने मात्र भौतिक सुख और समृद्धि विशेष महत्व नहीं रखते। अत: मन को संतुलित सकारात्मक विचारों से ओतप्रोत रखना ही श्रेयस्कर है और यही अभीष्ट भी। आईएसआई मार्क वाली वस्तुएं ही नहीं, हमारे भाव भी आईएसआई मार्क वाले हों तभी जीवन में उत्कृष्टता का सही समावेश संभव है।

सीखने की क्षमता का विकास

छोटे बच्चों में सीखने और किसी चीज के बारे में जानने की जिज्ञासा बहुत ज्यादा होती है। वह आमतौर पर आसपास की चीजों को छूने, खेलने और देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। कई बार पेरेंट्स बच्चे को घर पर उस तरह से समय नहीं दे पाते हैं ताकि वह उनकी हर जिज्ञासा और एक्टिविटी पर ध्यान दें लेकिन प्ले स्कूल में उन्हें तरह-तरह के खेल और एक्टिविटी को करने और चीजों से खेलने का मौका मिलता है। इससे बच्चे की सीखने की क्षमता विकसित होती है और वह किसी चीज को करने से पीछे नहीं भागता है।

दोस्त बनाने में मदद मिलती है

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसके लिए दोस्ती करना और लोगों से संपर्क बनाना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में हमें बच्चों को छोटी उम्र से ही लोगों के साथ व्यवहार करना सीखाने की जरूरत है ताकि बड़े होकर उन्हें किसी तरह की व्यवहार संबंधित दिक्कतें न आएं। प्ले स्कूल में बच्चे कई अलग-अलग तरह के व्यवहार वाले बच्चों के साथ खेलते हैं और दोस्त बनाते हैं। इससे उनमें लोगों के साथ समन्वय बनाने की क्षमता का विकास होता है।

शब्दावली और भाषा में सुधार

प्ले स्कूल जाने से बच्चों की भाषा और शब्दावली में सुधार आता है और शब्दावली का विकास होता है क्योंकि बच्चे घर पर जितना सीख पाते हैं और उससे अधिक प्ले स्कूल में बोलना और शब्दों को पहचनना सीखते हैं। इसके अलावा अन्य बच्चों के साथ वह सामंजस्य और शेयरिंग की आदत का विकास भी कर पाते हैं। इससे वह धीरे-धीरे खुद को एक्सप्रेस करना सीखते हैं।

बच्चों को प्ले स्कूल भेजने के हैं कई फायदे

जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे होते है पेरेंट्स को उन्हें प्ले स्कूल या प्री-स्कूल भेजने के बारे में सोचते है। वह उनके बेहतर भविष्य के लिए हर जरूरी निर्णय को लेकर काफी सजग रहते हैं ताकि उनके बच्चे का भविष्य अच्छा बनें और उन्हें स्कूल जाने में कोई परेशानी न हो। दरअसल ज्यादातर पेरेंट्स बच्चों को प्ले स्कूल इसलिए भेजते हैं ताकि उनका बच्चा अन्य बच्चों के साथ घुलना-मिलना सीखें। बच्चों के भावनात्मक, सामाजिक, शारीरिक और मानसिक विकास के लिए उन्हें प्ले स्कूल में भेजना चाहिए। वह इससे चीजें आसानी से सीखते हैं। बच्चे को हम प्ले स्कूल में तब भेजते हैं, जब वह चलना, बात करना, दूसरों से संबंध बनाना और अन्य जरूरी बातें सीखते हैं। बच्चे के मस्तिष्क का 90 प्रतिशत विकास 5 वर्ष की आयु तक हो जाता है। ऐसे में अन्य बच्चों के साथ उनका विकास तेजी से होता है।

स्वतंत्र रहना सीखें

घर पर बच्चों को हम कई चीजों को छूनें से रोकते हैं और समय की कमी के कारण उन्हें कई तरह की एक्टिविटीज करने से रोकते हैं लेकिन प्ले स्कूल में वह अपने पसंद का खेल खेलने और गतिविधियों को चुनने के लिए स्वतंत्र रहते हैं। साथ ही वह खुद से खाना, हाथ साफ करना, अपनी चीजों को जगह पर रखना और गिरकर उठने की आदत सीखते हैं।

बच्चे को प्ले स्कूल कब भेजना चाहिए

पेरेंट्स को अपने बच्चे को प्ले स्कूल तभी भेजना चाहिए, जब वह इसके लिए तैयार हो ताकि उन्हें वहां किसी तरह की कोई समस्या न हो और वह स्वतंत्र रूप से अपना काम कर सकें। इसके लिए आप बच्चे को ढाई साल से साढ़े तीन साल की उम्र में ही प्ले स्कूल भेजें ताकि वह अपने काम खुद से कर सकें और साथ ही वह किसी से अपनी बात कह सकें। जैसे वह अपने टीचर को भूख लगने और बाथरूम जाने के बारे में बता सकें। बहुत छोटे बच्चे को प्ले स्कूल न भेजें। इससे उनके विकास पर असर पड़ सकता है।

हंसना मना है

भक्त- भगवान मैं पापी हूं! मुझे दर्द दो, दुख दो, मुझे बर्बाद कर दो, परेशानी दो, मेरे पीछे भूत लगा दो! भगवान- अबे एक लाइन में बोल ना कि बीवी चाहिए!

बादशाह तो हम उसी दिन बन गये थे। जिस दिन दोस्तो ने कहा था, तू आगे रह कर एक थप्पड़ मार दे फिर हम संभाल लेगें... भले ही अपने जिगरी दोस्त कम हैं, पर जितने भी है परमाणु बम हैं।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

एक औरत ने ट्रैफिक सिग्नल तोड़ दिया पुलिसवाला- रुको। औरत- मुझे जाने दो, मैं एक टीचर हूं, पुलिसवाला- अहा! इस दिन के इंतज़ार में तो मैं कई सालों से था, चलो, अब लिखो मैं कभी ट्रैफिक सिग्नल नहीं तोडूंगी, 100 बार...

पत्नी- इतने साल हो गये शादी को आज तक कुछ नहीं दिया, पति- दिल तो दिया है और क्या चाहिए, पत्नी- नहीं जानू, कोई सोने की चीज दिलाओ ना, पति- चलो शाम को नया तकिया ला दूंगा, खूब मजे से सोना।

कहानी | शेर और सियार

एक बार की बात है सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृषभ स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं। बड़ा लाभ हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन किसी भी निर्णय को लेने में विवेक का प्रयोग करें। परिवार के साथ जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क कोर्ट व कचहरी के काम से छुटकारा मिल सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

सिंह मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। वरिष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन लाभ में वृद्धि करेगा।

कन्या उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। आत्मसम्मान बना रहेगा। कोई बड़ा काम तथा बाहर जाने का मन बनेगा।

तुला भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है।

वृश्चिक कोई बड़ी परेशानी आ सकती है। भागदौड़ अधिक होगी। शोक समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय होगी।

धनु विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त हो सकता है।

मकर चोट व दुर्घटना से हानि हो सकती है। भ्रम की स्थिति बन सकती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जल्दबाजी न करें। विवाद की स्थिति नहीं बनने दें।

कुम्भ पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत की सेवा करने का अवसर प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मीन आर्थिक उन्नति के लिए नई नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं, प्रयास करते रहें। आय में वृद्धि होगी।

बड़े पर्दे पर 'नीयत' के साथ वापसी करेंगी विद्या बालन

विद्या बालन की अपकमिंग मर्डर मिस्ट्री नीयत 7 जुलाई को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस फिल्म को अनु मेनन ने निर्देशित किया है। बता दें कि इस फिल्म से एक्ट्रेस लंबे समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। फिल्म का निर्माण प्राइम वीडियो और विक्रम मल्होत्रा के नेतृत्व वाले अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। इसमें राम कपूर, राहुल बोस, नीरज काबी, शहाना गोस्वामी, अमृता पुरी, दीपानिता शर्मा, निकी वालिया, शशांक अरोड़ा, प्राजक्ता कोली और दानेश रजवी भी हैं। अनु मेनन के हालिया डायरेटिंग क्रेडिट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित सीरीज किलिंग ईव के कई एपिसोड भी शामिल हैं। नीयत को अनु मेनन, प्रिया वेंकटरमण, अद्वैत कला और गिरवानी ध्यानी ने लिखा है और डायलॉग्स कौसर मुनीर ने लिखे हैं। नीयत एक जासूस (विद्या बालन) की सस्पेंस भरी कहानी है, जो एक अरबपति की पार्टी में रहस्यमय हत्याओं की जांच करती है। प्राइम वीडियो पर प्रीमियर हुई तीन सुपर हिट फिल्मों के साथ डिजिटल पर नीयत के जरिए विद्या बालन सिनेमाघरों में वापसी कर रही है। निमार्ताओं ने फिल्म का एक टीजर पोस्टर जारी किया है जो दर्शकों को नीयत की दुनिया की पहली झलक दिखाती है। यह फिल्म 7 जुलाई को रिलीज होगी।

ऊप्स मोमेंट का शिकार हुई जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक के लिए जानी जाती हैं। इसी वजह से जाह्नवी कपूर यूथ के बीच काफी पॉपुलर हैं। लोगों को जाह्नवी कपूर का लुक और ड्रेसिंग सेंस काफी पसंद आता है। हाल ही में जाह्नवी कपूर ऑफ शोल्डर गाउन में पहने नजर आ रही हैं। ब्लैक कलर की ड्रेस में जाह्नवी कपूर बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। लेकिन एक्ट्रेस को इस ड्रेस की वजह से पैपराजी के सामने शर्मिंदा होना पड़ा।

सोशल मीडिया पर जाह्नवी कपूर का वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो की शुरुआत में दिखाया गया है कि एक्ट्रेस जब पैपराजी के सामने फोटो क्लिक करवा रही थी उस दौरान वह अपनी ड्रेस को ठीक कर रही थी। वहीं अब सोशल मीडिया पर उनका ये वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर जल्द ही फिल्म बवाल में नजर आएंगी। फिल्म में वह पहली बार वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह मिस्टर एंड मिसेज माही फिल्म में भी नजर आएंगी।

जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका इंस्टाग्राम उनकी बोल्ड और स्टनिंग फोटो से भरा हुआ है। जाह्नवी कपूर अक्सर इंस्टाग्राम पर अपना ग्लैमरस लुक शेयर कर लाखों फैंस को हैरान कर देती हैं।

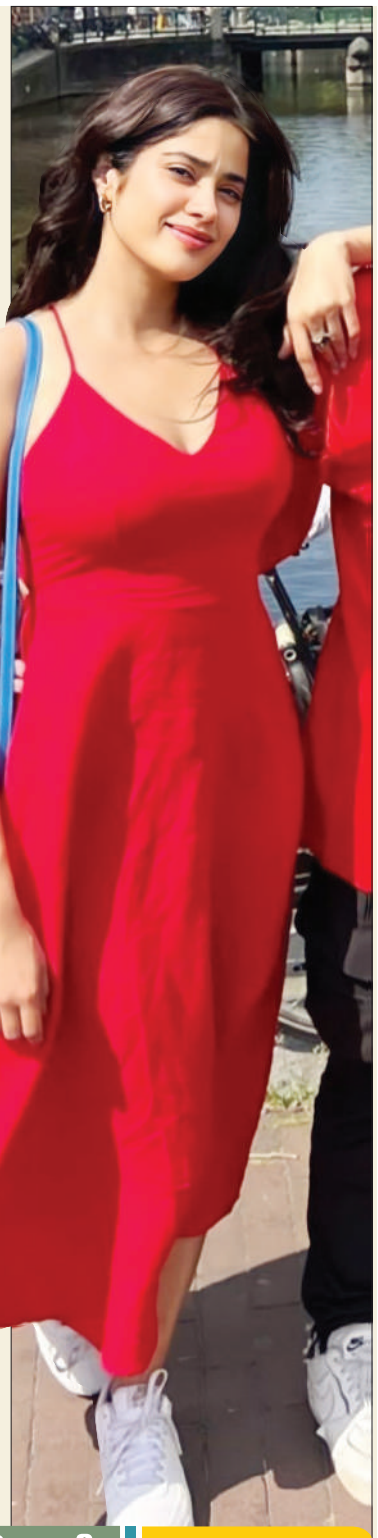

भोजपुरी | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

द केरल स्टोरी के समर्थन में आई शबाना आजमी

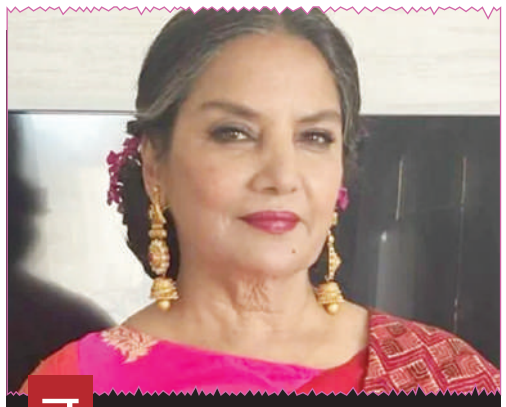

द केरल स्टोरी जब से रिलीज हुई है, तभी से चर्चा में है। इस फिल्म को लेकर देश के कई हिस्सों में लगातार विवाद हो रहा है। देश के कई हिस्सों में फिल्म की स्क्रीनिंग को बंद करा दिया गया है। वहीं, रविवार के दिन चेन्नई समेत तमिलनाडु के कई सिनेमाघरों में द केरल स्टोरी को न दिखाने का फैसला किया गया है। लोगों के मुताबिक फिल्म की कहानी को गलत तरीके से दर्शाया गया है। वहीं, इसको लेकर अब शबाना आजमी ने ट्वीट किया है और विरोध करने वाले को मुंह तोड़ जवाब दिया है। द केरल स्टोरी को लेकर पहले दिन से ही विवाद जारी है। फिल्म के ट्रेलर रिलीज के बाद से ही उसे सिनेमाघरों में पहुंचने से रोकने के लिए भी कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा चुका है। हालांकि कोर्ट ने सुनवाई के बाद इस पर रोक लगाने से साफ मना कर दिया था, जिसके बाद से देश में इस फिल्म पर दो गुट बन गए हैं। कुछ लोग फिल्म का समर्थन कर रहे हैं, तो वहीं कई लोग फिल्म का विरोध कर रहे हैं। विरोधियों का कहना है कि फिल्म दिखाकर लोगों को भड़काने की कोशिश की जा रही है। इस फिल्म को लेकर बॉलीवुड में भी लगातार एक्टर्स की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। बॉलीवुड के ज्यादातर कलाकार जिन्होंने फिल्म को देखी है, वह सभी इसका समर्थन कर रहे हैं। वहीं एक्ट्रेस शबाना आजमी ने भी द केरल स्टोरी का समर्थन किया और ट्वीट किया है। शबाना ने ट्वीट करते हुए लिखा है-जो लोग द केरल स्टोरी पर रोक लगाने की बात करते हैं, वे उतने ही गलत है, जितने कि वह आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा पर बैन लगाना चाहते थे। एक बार किसी फिल्म को सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से सर्टिफिकेट मिल जाता है तो फिर किसी भी दूसरे कॉन्स्टिट्यूशन अथॉरिटी का कोई रोल नहीं रह जाता। बता दें कि शबाना आजमी के साथ साथ कंगना रणौत और विवेक अग्निहोत्री ने भी फिल्म का समर्थन किया है।

कबूतर की तरह नजर आते हैं इस जनजाति के पैर, दूर-दूर से इन्हें देखने आते हैं लोग

दुनिया में कई तरह की जनजातियां रहती हैं। ये आम लोगों की नजर से दूर रहते हैं। इस वजह से उनकी ग्रोथ बाकी के लोगों से पीछे रहती है। इन जनजातियों का रहन-सहन, बोली सब कुछ अलग होता है। मॉडर्न जमाने में जो कुछ भी हो रहा है, उससे इन लोगों का कोई लेना देना नहीं होता। कई ऐसी जनजातियां भी हैं, जो बाहर के लोगों को एंट्री नहीं देते। अगर बाहर से कोई उनके पास जाने की कोशिश करता है, तो वो लोगों पर अटैक भी कर देते हैं। हालांकि, कुछ जनजाति फ्रेंडली होते हैं और अब बदलाव को मान रहे हैं। ऐसी ही एक जनजाति है वोडोमा ट्राइब। तंजानिया के नॉर्थ में रहने वाली जनजाति वोडोमा अपने पैरों की वजह से चर्चा में है। इनके पैर बेहद अजीब हैं। जनजाति को देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। उनके पैर कबूतर के पंजों जैसे नजर आते हैं। सिर्फ इस जनजाति के पैर देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। इनके पैर आगे की तरफ से निकले और पीछे से मुड़े हुए होते हैं। इनके पैरों का ऐसा होने के पीछे एक खास वजह है। भगवान ने इन लोगों के पैरों का डिजाइन ऐसा खास कारण से बनाया है। वोडोमा जनजाति के पैर कबूतर की तरह होने की खास वजह है। दरअसल, इस जगह रहने वाले लोगों को अपना ज्यादातर समय खड़े होकर बिताना पड़ता है। साथ ही ये एरिया चट्टान से भरा हुआ है। ऐसे में लोगों को इन पहाड़ियों पर चढ़ना पड़ता है। इनके पैरों की वजह से उन्हें चढ़ाई करने में दिक्कत नहीं होती। ये बेहद आराम से ऊंची-नीची चट्टानों पर चढ़ाई कर लेते हैं। अगर इनके पैर नॉर्मल होते तो उन्हें चढ़ान में दिक्कत होती। लेकिन अपने पैरों की वजह से उन्हें सर्वाइव करने में दिक्कत नहीं होती। वोडोमा जनजाति अपने इन यूनिक पैरों की वजह से जाने जाते हैं। लेकिन इसके अलावा इनका कल्चर भी काफी मजबूत है। ये अलग तरह से एन्जॉय करते हैं। इनका म्यूजिक और डांस भी सबसे जुदा है। कोई फंक्शन होने पर ये एक जगह जमा हो जाते हैं। इसके बाद अपने यूनिक डांस और सॉन्ग के साथ एन्जॉय करते हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा चर्चा ये अपने पैरों के कारण ही पाते हैं। दुनिया के कई कोनों से लोग सिर्फ इनके पैरों को देखने ही आते हैं। हर कोई हैरान रह जाता है कि आखिर जगह के हिसाब से ढल जाने के लिए कैसे भगवान उसी हिसाब से लोगों के फीचर बदल देते हैं।

अजब-गजब | महामारी के दौरान सुकून से रहने के लिए खरीदा था आइलैंड

अपने प्राइवेट आइलैंड पर अकेले रहता है शख्स

दुनिया में हर व्यक्ति चाहता है कि वो करोड़ों रुपये कमाए, हर सुख-सुविधा का आनंद ले और अपनी लाइफ को आसान बना ले। लोग कई मकान, जमीनें घर भी रुपयों से खरीदना चाहते हैं। पर क्या जो लोग इन चीजों को खरीद लेते हैं, वो सबसे ज्यादा खुश रहते हैं? हाल ही में एक शख्स ने इस बात का जवाब दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के इस व्यक्ति के पास खुद का आइलैंड पर, वो उसपर अकेले रहता है, जो मन चाहे वो कर सकता है, पर उसका कहना है कि उसकी लाइफस्टाइल उतनी भी अच्छी नहीं है, जितना लोग समझते हैं।

द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 56 साल के क्रेग बेक्ली, ऑस्ट्रेलिया के क्वीन्सलैंड के पास, वर्थिंग्टन आइलैंड के मालिक हैं। उन्होंने इस आइलैंड को महामारी के दौरान खरीदा था। उनका कहना है कि आइलैंड को खरीदना और उसपर रहना इतना भी ग्लैमरस नहीं है, जितना लोगों को लगता है। उन्होंने तीन करोड़ रुपयों से ज्यादा देकर इस आइलैंड को अपने नाम किया था। मुख्य भूमि से आइलैंड तक जाने में 30 मिनट का वक्त लगता है। वो काफी खुले माहौल में रहते हैं, कोई पड़ोसी नहीं है, वो जितना शोर चाहें उस आइलैंड पर मचा सकते हैं। पर उनका कहना है कि इतने रुपये, और आइलैंड का मालिक होना इतना भी रोमांचक नहीं है, जितना लोग समझते हैं। उन्होंने बताया कि हर रोज उन्हें मच्छरों-कीड़ों का सामना करना पड़ता है। उन्हें अपना फ्रिज और स्टोव चलाने के लिए सोलर और विंड एनर्जी का प्रयोग करना पड़ता है, साथ ही जेनरेटर चलाना पड़ता है। वहां पर कोई जेटी भी नहीं है जिसपर वो अपनी नाव को बांध सकें, इसलिए उन्हें पेड़ों के बीच ही नाव खड़ी करनी पड़ती है। आइलैंड की तमाम समस्याओं के बावजूद क्रेग वहीं रहना पसंद करते हैं क्योंकि वहां की जिंदगी उन्हें ज्यादा आसान और सुलझी हुई लगती है।

प्राइवेट आइलैंड ऑनलाइन ऑस्ट्रेलिया के डायरेक्टर रिचर्ड वैनहॉफ ने ही आइलैंड को बेचा था। क्रेग को बेचा हुआ आइलैंड सबसे सस्ते में बिका था क्योंकि वो महामारी के दौर में बेचा गया था। कई आइलैंड इससे भी महंगे बिके हैं। जो सबसे महंगा बिका था, उसकी कीमत 200 करोड़ रुपये थी। उन्होंने कहा कि लोग आइलैंड तो खरीद लेते हैं पर ये नहीं समझ पाते कि उसमें काफी रिनोवेशन की जरूरत पड़ेगी। कुछ आइलैंड ऐसे होते हैं जहां नाव से जाना सुविधाजनक नहीं है, इसलिए वहां जाने के लिए प्लेन का इस्तेमाल करना पड़ता है। ऐसे में कई लोगों को आइलैंड पर एयरस्ट्रिप बनानी पड़ती है। आइलैंड्स पर इंटरनेट की सुविधा नहीं होती है, बिजली या नल का पानी नहीं होता है।

सब कुछ ठीक तो फिर चुनाव में देरी क्यों : फारुक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारुक अब्दुल्ला ने केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अगर सबकुछ ठीक है तो विधानसभा चुनाव में देरी क्यों की जा रही है। साथ केंद्र सरकार की ओर से कोई कदम नहीं उठाने पर आश्चर्य भी जताया है। उन्होंने कहा कि यह निर्वाचित सरकार का समय है।

स्थायी शांति के लिए पाकिस्तान के साथ बातचीत जरूरी

जब भाजपा नेता सार्वजनिक रूप से घोषणा करते हैं कि चुनाव में 50 सीटें जीतेंगे, तो उन्हें लोकतांत्रिक अभ्यास करने से दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने उपमहाद्वीप में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए पाकिस्तान के साथ जल्द बातचीत शुरू करने की भी वकालत की। विधानसभा चुनाव कराने में देरी पर अब्दुल्ला ने कहा कि जहां तक सरकार का सवाल है, वह हमेशा कहती रही है कि यहां हालात ठीक हैं। अगर हालात ठीक हैं तो उन्हें चुनाव कराने से क्या रोकता है। आखिरकार, हम एक लोकतांत्रिक देश में रह रहे हैं, और इतने सालों से हमारी चुनी हुई सरकार नहीं है।

हमारे पास सलाहकारों के साथ लेफ्टिनेंट गवर्नर हैं और वह कर सकते हैं। लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं, यह एक नौकरशाही सरकार बन गई है। अब्दुल्ला ने इस सप्ताह की शुरुआत में अनंतनाग में भाजपा जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख रविंदर रैना द्वारा दिए गए बयान का हवाला दिया कि उनकी पार्टी के विधानसभा चुनाव में 50 से अधिक सीटें जीतने और अपनी सरकार बनाने की संभावना थी। परिसीमन की कवायद के बाद विधानसभा में 90 सीटें हैं। अब अगर वे (भाजपा) जीत को लेकर इतने आश्वस्त हैं, तो उन्हें चुनावी पानी की परीक्षा लेने से क्या रोकता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद आतंकवाद और बढ़ा है।

राज्य का दर्जा बहाल किया जाए : अल्ताफ

जम्मू। अपनी पार्टी के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने प्रधानमंत्री से जम्मू कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव करवाने की मांग की है। जम्मू कश्मीर में विभिन्न मुद्दों पर सार्वजनिक चिंताओं को समाप्त करने और विश्वास जीतने के लिए चुनाव के साथ राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए। लोग अपनी सरकार का इंतजार कर रहे हैं। चट्ठा सतवारी में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा में बुखारी ने आरोप लगाया कि उपराज्यपाल सरकार ने जम्मू कश्मीर प्रशासनिक सेवा (जेकेएएस) और जम्मू कश्मीर पुलिस सेवा (जेकेपीएस) के अधिकारियों को किनारे कर दिया है और उनकी जगह आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को अधिक तवज्जो दी गई है। यह गंभीर चिंता का विषय है। स्थानीय अधिकारी जम्मू कश्मीर की रीढ़ हैं। उन्होंने लोगों से जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने पर शासन में बदलाव लाने को कहा। भाजपा किसी भी तरह का बदलाव लाने में विफल रही है।

सत्ता मिली तो विस्थापितों की होगी वापसी : आजाद

जम्मू। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष व जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने दावा किया कि अगर वह सत्ता में आते हैं तो कश्मीरी पंडित विस्थापितों की घाटी में सम्मानजनक वापसी के लिए उचित उपाय करेंगे। वह इन लोगों के दर्द को समझते हैं और मुख्यमंत्री रहने पर सभी की घर वापसी सुनिश्चित करने के साथ नौकरी के अवसर खोले गए थे। अभी बहुत कुछ करना बाकी है। वह सोमवार को जगती टाउनशिप में कश्मीरी विस्थापित पंडितों की सभा में बोल रहे थे। आजाद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता कश्मीरी विस्थापितों को पैतृक स्थानों पर वापस लाने की है। नौकरी और वित्तीय सहायता प्रदान करना समुदाय का विश्वास जीतने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह राज्य सरकार का कर्तव्य है कि वह आपको सम्मान के साथ वापस लाए। वादा किया कि सत्ता में आने पर विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे जिससे बड़े पैमाने पर समुदाय को लाभ मिलेगा। इसके साथ आरोप लगाया कि अन्य राजनीतिक दल स्वार्थ के लिए टाउनशिप का दौरा करते रहे हैं, लेकिन हम समुदाय के कल्याण के लिए राजनीति से ऊपर उठकर काम करने की सोच रखते हैं। इस दौरान समुदाय के लोगों ने समस्याओं और शिकायतों पर ज्ञापन दिया। आजाद ने भरोसा दिलाया कि सभी वास्तविक मुद्दों का समाधान किया जाएगा। समुदाय के कई लोग डीपीएपी में शामिल हुए।

हनुमान बेनीवाल ने बोला हमला

मैं 2009 से गहलोत-वसुंधरा के गठजोड़ की बात कर रहा था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागौर। आरएलपी सुप्रीमो व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा, साल 2009 से वे पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और सीएम अशोक गहलोत के आपसी गठजोड़ होने की बात कर रहे हैं।

गहलोत सरकार जब संकट में आई, तब वसुंधरा राजे ने ही अपने समर्थित विधायकों के माध्यम से राजस्थान की कांग्रेस सरकार को बचाया। इस बात को भी आरएलपी ने सबसे पहले जनता के सामने रखा और अब मुख्यमंत्री गहलोत ने सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार भी किया कि राजे ने उनकी सरकार बचाई। बेनीवाल ने कहा, ऐसे में राज्य की जनता यह समझ चुकी है की गहलोत और वसुंधरा ने हमेशा एक दूसरे के काले कारनामों पर पर्दा डाला और एक दूसरे को बचाया। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा, हमेशा तेजा भक्तों को धुतकारने वाली राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे 11 मई को लोकदेवता तेजाजी के मंदिर खरनाल (नागौर) में दर्शन करने के नाम पर खुद के राजनैतिक लक्ष्य को साधने के उद्देश्य से आ रही हैं। मैं यह पूछना चाहता हूं कि साल 2008 में वसुंधरा राजे ने जब तेजाजी के मंदिर में 11 लाख रुपये देने की घोषणा की तो आज 15 साल बाद उन्हें तेजाजी की याद कैसे आई?

द केरल स्टोरी पर लगे बैन के खिलाफ 12 मई को 'सुप्रीम' सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। फिल्म द केरल स्टोरी पर पश्चिम बंगाल में पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर हुई है। सुप्रीमकोर्ट फिल्म निर्माताओं की याचिका पर सुनवाई को तैयार है, इस मामले में 12 मई को सुनवाई होगी। फिल्म निर्माता की ओर से हरीश साल्वे ने जल्द सुनवाई की मांग की है।

बता दें कि पश्चिम बंगाल सरकार ने द केरल स्टोरी फिल्म पर बैन लगाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। दरअसल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को 'नफरत और हिंसा की किसी भी घटना से बचने के लिए राज्य में विवादास्पद फिल्म 'द केरल स्टोरी के प्रदर्शन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था।

फिल्म निर्माता की ओर से हरीश साल्वे ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बैन लगाया गया है। तमिलनाडु में डिफैक्टो बैन है और राज्य भी इसका अनुसरण कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही सभी भाषाओं में होगी प्रसारित : चंद्रचूड़

» लाइव टेलीकास्ट को लोगों के दिलों तक पहुंचाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत की सुप्रीम कोर्ट जल्द ही उनके यहां पर होने वाली कार्यवाही के ऑनलाइन प्रसारण को भारतीय भाषाओं में प्रसारित करने का काम करेगी। एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने इस बात का वादा किया।

उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट में होने वाली कार्यवाही के लाइव टेलीकॉस्ट ने हमें लोगों के दिलों और उनके घर के अंदर तक पहुंचा दिया है। हम चाहते हैं कि अदालत की कार्रवाही देश का कोई भी

नागरिक समझ सके इसके लिए हम जल्दी ही उनकी भाषा में कार्यवाही की ट्रांसक्रिप्ट उपलब्ध कराने पर विचार कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो लोग जल्द ही हिंदी में भी अदालत की कार्यवाही समझ सकेंगे। इससे देश की अन्य भारतीय भाषाओं जैसे, असमिया, उड़िया, तेलगू, कन्नड़, मलयाली, तमिल, मराठी, राजस्थानी में भी आप सुप्रीम कोर्ट में होने वाली कार्यवाही समझ सकेंगे।

सेम सेक्स मैरिज पर सुनवाई के दौरान आया विचार

सेम सेक्स मैरिज पर हो रही कार्यवाही को सुनने के दौरान सीजेआई ने कहा, उनका प्रशासन ऐसी व्यवस्था पर काम कर रहा है जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में सुनवाई की ट्रांसक्रिप्ट एक साथ तैयार की जा सके, जिससे देश के सुदूर प्रांतों में बैठे लोग कानूनी प्रक्रिया को समझ सकें। सीजेआई ने इस व्यवस्था का जिक्र समलैंगिक विवाह को सुनते समय तब किया जब मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने उनको बताया, समलैंगिक विवाह के लाइव टेलिकॉस्ट से समाज में इस मुद्दे को लेकर चर्चा होने लगी है और देश के अलग-अलग हिस्सों में लोग इस विषय पर बातचीत कर रहे हैं।

सूर्य-नेहल के प्रहार से मुंबई ने लगाई छलांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 में मंगलवार 9 मई की शाम को वानखेड़े में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) की टीमें मैदान पर आमने सामने हुईं। मुंबई इंडियंस ने 200 रन के लक्ष्य को आसानी से पार करते हुए शानदार जीत हासिल की। इस बीच मैदान पर भारतीय टीम और एमआई के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के नाम की आंधी आई और उन्होंने शानदार अर्धशतक बनाया।

दूसरी तरफ युवा बल्लेबाज नेहल वढेरा ने भी सूर्य का साथ बखूबी निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने जबरदस्त अर्धशतकीय पारी खेली। दरअसल हुआ यह कि वढेरा ने अपने बल्ले से एक छक्का मारते हुए गेंद बाउंड्री के पार की। सूर्या ने जहां 35 गेंद में 83 रन बनाए तो वढेरा ने 34 गेंद में 52 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। इस दौरान वढेरा के बल्ले से निकले छक्के ने वानखेड़े स्टेडियम में तोड़-फोड़ मचा दी। हालांकि इससे कोई नुकसान नहीं, लेकिन टीम के स्कोर में बढ़ोतरी जरूर हुई।

हुआ ये कि 11वें ओवर में गेंदबाजी के लिए वानिंदु हसरंगा आए। एमआई की ओर से वढेरा ने पहली गेंद पर सिंगल लेकर सूर्या को स्ट्राइक दी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की शुरुआत काफी शानदार रही। कोहली का विकेट जल्द गिरने के बाद फाफ डु प्लेसिस और ग्लेन मैक्सवेल की साझेदारी ने टीम के लिए काफी रन बटोरे, लेकिन जल्द विकेट गिरने के कारण आरसीबी का स्कोर 200 के पार भी नहीं पहुंच पाया। जवाब में एमआई ने शानदार तरीके से मैच जीतकर प्वाइंट टेबल में टॉप तीन टीमों में अपनी जगह पक्की कर ली है।

केएल राहुल की सर्जरी सफल

नई दिल्ली। भारत के सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल की दाहिनी जांघ में लगी चोट का सफल ऑपरेशन हुआ है और वह जल्द से जल्द राष्ट्रीय टीम में वापसी करना चाहते हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान राहुल को इसी महीने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ आईपीएल मैच में फील्डिंग करते हुए चोट लगी थी। 31 वर्षीय राहुल फील्डिंग करते हुए लड़खड़ा कर जमीन पर गिर पड़े थे।

पायलट के पोस्टर से खरगे, राहुल और प्रियंका की तस्वीर गायब

सचिन ने जारी किया जन संघर्ष यात्रा का पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सचिन पायलट ने 11 मई से अपने जन संघर्ष यात्रा के लिए पोस्टर जारी कर दिया है। ज्ञात हो कि जयपुर के शहीद स्मारक पर पायलट ने 11 अप्रैल को एक दिन का अनशन किया था। इसके ठीक एक महीने बाद 11 मई को वो जन संघर्ष यात्रा पर निकल रहे हैं।

अजमेर से जयपुर तक की उनकी यह यात्रा 11 मई से शुरू होकर 15 मई तक चलेगी। सचिन पायलट ने इसका पोस्टर बुधवार को जारी किया। इसमें सोनिया गांधी की तो तस्वीर है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की तस्वीर नहीं है।

नेहरू, इंदिरा व सोनिया की लगाई फोटो

सचिन पायलट की ओर से जारी पोस्टर में सोनिया की तस्वीर का इस्तेमाल हुआ है। उनके अलावा पोस्टर के एक तरफ महात्मा गांधी, डॉक्टर आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीर है। दूसरी ओर इसपर जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी की तस्वीर है। इसमें सोनिया गांधी की तो तस्वीर है, लेकिन यह पता नहीं है कि इस यात्रा के लिए हाई कमान से इजाजत ली गई है या नहीं। इसके अलावा इस पोस्टर में न तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तस्वीर है न राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की।

हाथ के पंजे की जगह बंद मुट्ठी की फोटो

इस पोस्टर में कांग्रेस के चुनाव निशान की जगह बंद मुट्ठी की फोटो है, इससे सवाल यह उठता है कि पोस्टर में कांग्रेस का चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल न कर क्या संकेत देने की कोशिश की गई है? चुनावी समय में पोस्टर सोनिया की तस्वीर और कांग्रेस का चुनाव चिन्ह न होना विरोधाभासी है, सवाल यह भी है कि नाराजगी अगर सिर्फ गहलोत से है तो पार्टी के बाकी नेताओं को दरकिनार क्यों कर दिया गया? सचिन पायलट ने जब जयपुर में एक दिन का उपवास किया था तो उसके पोस्टर में सिर्फ गांधी जी की तस्वीर थी। उस पर कई कांग्रेस नेताओं का कहना था कि अगर उपवास वसुंधरा सरकार के खिलाफ हुआ कथित घोटालों की जांच की मांग को लेकर है तो वहां कांग्रेस के किसी नेता की तस्वीर क्यों नहीं ? ऐसे में नए पोस्टर में सोनिया की तस्वीर के क्या मायने हैं?

मणिपुर में तनाव के बीच पटरी पर लौटा जन-जीवन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुकी में लहरा रहे बंदूकें घरों में लूट-आगजनी मंदिर में तोड़फोड़

इंफाल। मणिपुर में 60 लोग मारे गए, करीब 250 घायल, 1700 घर-धार्मिक स्थल जला दिए गए और 23 हजार लोग जान बचाने के लिए कैंपों में रह रहे हैं। इस आंकड़े में ज्यादातर हिस्सेदारी इंफाल में हुए दंगों की है, यहां मैतेई समुदाय रहता है। दंगाई भीड़ भी इन्हीं की थी और निशाने पर कुकी थे। मणिपुर में कुल 16 जिले हैं, सबसे ज्यादा हिंसा इंफाल, चुराचांदपुर और बिष्णुपुर में हुई है। बिष्णुपुर इंफाल से 26 किमी और चुराचांदपुर करीब 60 किमी दूर है। पिछली रिपोर्ट में हमने बताया था कि कैसे मैतेई बहुल इंफाल वैली में कुकी निशाना बने।

मणिपुर हिंसा का एपिसेंटर चुराचांदपुर जिला है। इंफाल भले ही अब शांत है और 11 जिलों में कर्फ्यू में ढील दी जा चुकी है, लेकिन चुराचांदपुर के आसपास हिंसा, बवाल, आगजनी और मारकाट की खबरें अब भी आ रही हैं। चुराचांदपुर जनजातीय समुदाय कुकी का इलाका है। 8 मई की सुबह हम इंफाल से चुराचांदपुर के लिए निकले थे। शहर के हालात कुछ बेहतर नजर आए। सड़कों पर थोड़ी-बहुत गाड़ियों की आवाजाही और हलचल दिख रही थी। सड़कों पर बिखरी जली हुई गाड़ियों को हटाया जा रहा था। कुछ दुकानें खुली थीं। हालांकि आर्मी और केंद्रीय सुरक्षाबलों का फ्लैग मार्च जारी है।

सपा विधायक और बीजेपी प्रत्याशी के पति के बीच कोतवाली में मारपीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कार्रवाई नहीं हुई तो मैं खुद को गोली मार लूंगा : विधायक

सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह, पुलिस अधिकारी से ये कहते हुए दिखे कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो मैं कोतवाली में खड़े होकर खुद को गोली मार लूंगा। जिस दौरान ये विवाद हुआ, उस समय कोतवाली परिसर में अफरा-तफरी का माहौल हो गया और सभी इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान पीड़ित पक्ष और विधायक समर्थकों के द्वारा जमकर गाली-गलौच भी हुई। इस मामले के सामने आने के बाद सरकार और कानून व्यवस्था को लेकर तमाम तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

अमेठी। यूपी के अमेठी से सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह का एक वीडियो सामने आया है। विधायक ने गौरीगंज कोतवाली में बीजेपी नगरपालिका प्रत्याशी रश्मि सिंह के पति दीपक सिंह की जमकर पिटाई की है। गौरतलब हो कि दीपक सिंह एक अपराधी है। जिसकी हिस्ट्रीसीट अमेठी पुलिस ने खोल रखी है। एक अपराधी चुने हुए विधायक के साथ अभद्रता कर रहा है। गुंडो को सजा देने की बात करने वाली भाजपा जब ऐसे लोगों को टिकट देती है तो साफ पता चलता है कि अपराधियों को कौन संरक्षण दे रहा है।

ये घटना गौरीगंज कोतवाली परिसर के अंदर की है। बीजेपी नगरपालिका प्रत्याशी रश्मि सिंह के पति दीपक सिंह कोतवाली के अंदर खड़े होते हैं। इसी दौरान सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह अपने समर्थकों के साथ वहां आते हैं और लात-घूंसों से दीपक सिंह की पिटाई करना शुरू कर देते हैं।

लोकतंत्र में व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं विचारधारा की लड़ाई : सीएम गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राज्य के विकास से ही देश का विकास : पीएम मोदी

वहीं इस सभा में पीएम मोदी ने कहा कि भारत सरकार राज्य के विकास से देश के विकास के मंत्र पर विश्वास करती है। राजस्थान देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। राजस्थान जितना विकसित होगा, भारत के विकास को भी उतनी ही गति मिलेगी। भारत सरकार राज्य के विकास से, देश के विकास के मंत्र पर विश्वास करती है। राजस्थान, देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है, राजस्थान भारत के शौर्य, भारत की धरोहर, भारत की संस्कृति का वाहक है।

नाथद्वारा (राजस्थान)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने पीएम की मौजूदगी में अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में किसी से दुश्मनी नहीं होती है, केवल विचारधारा की लड़ाई होती है, आज लोकतंत्र में सबको अपनी बात कहने का अधिकार है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मैं पीएम मोदी का राजस्थान में स्वागत करता हूं।

मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने आज राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे परियोजनाओं को समर्पित किया है, उन्होंने कहा कि पहले हम गुजरात से मुकाबला करते थे और महसूस करते थे कि हम पिछड़ रहे हैं, लेकिन अब हम आगे बढ़ गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के नाथद्वारा में 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की 4 राष्ट्रीय राजमार्ग और 3 रेल परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मंच पर मौजूद थे।

इमरान की गिरफ्तारी से दहला पाक

छह की मौत, पूरे देश में इंटरनेट बंद, लाहौर में गवर्नर हाउस जलाया, आर्मी हेडक्वार्टर में तोड़फोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

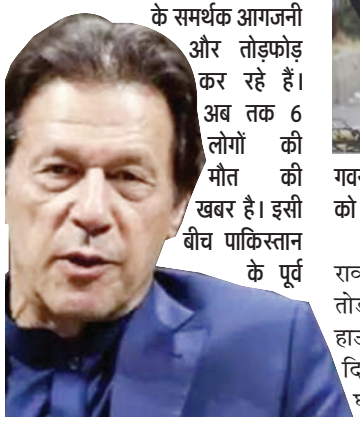

इस्लामाबाद। पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में हिंसा जारी है। पेशावर, इस्लामाबाद समेत कई शहरों में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थक आगजनी और तोड़फोड़ कर रहे हैं। अब तक 6 लोगों की मौत की खबर है। इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व गवर्नर और पीटीआई लीडर ओमर चीमा को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

कार्यकर्ताओं ने देर रात रावलपिंडी के आर्मी हेडक्वार्टर में तोड़फोड़ की। लाहौर में गर्वनर हाउस, आर्मी कमांडर का घर जला दिया और कई फौजी अफसरों के घर हमले किए गए। कराची के कैंट एरिया में भी ऐसी घटनाएं हुईं। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, हिंसा को देखते हुए पूरे पाकिस्तान में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। देश में प्राइवेट स्कूल भी बंद रहेंगे। राजधानी इस्लामाबाद, पंजाब प्रांत और पेशावर में धारा 144 लगाई गई है।

इंडिगो फ्लाइट की इंडोनेशिया में इमरजेंसी लैंडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के तिरुचिरापल्ली से सिंगापुर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट की इंडोनेशिया में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। तकनीकी खराबी के बाद पायलट ने यह फैसला लिया। फ्लाइट सुरक्षित लैंड करा ली गई। जांच के बाद विमान में कोई खराबी नहीं पाई गई है।

हालांकि विस्तृत जांच के लिए अभी विमान को उड़ान भरने की इजाजत नहीं दी गई है। खबर के अनुसार, इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट 6ई-1007 तिरुचिरापल्ली से सिंगापुर जा रही थी लेकिन रास्ते में पायलट को विमान में कुछ जलने की बू आई। इस पर तुरंत पायलट ने तय प्रक्रिया का पालन करते हुए विमान को नजदीकी एयरपोर्ट पर उतारने का फैसला किया। इसके बाद विमान को इंडोनेशिया के मेदान इलाके में कुआलानामु एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।